सामान्य वस्तु :-

सामान्य वस्तुओं के संदर्भ में आय - माँग संबंध धनात्मक होता है अर्थात आय बढ़ने पर माँग बढ़ती है और आय घटने पर माँग घट जाती है।

हीन वस्तु :-

ऐसी वस्तुएँ जिनके संदर्भ में आय बढ़ने पर माँग घटती है अर्थात आय-माँग संबंध ऋणात्मक होता है हीन वस्तुएँ कहलाती है।

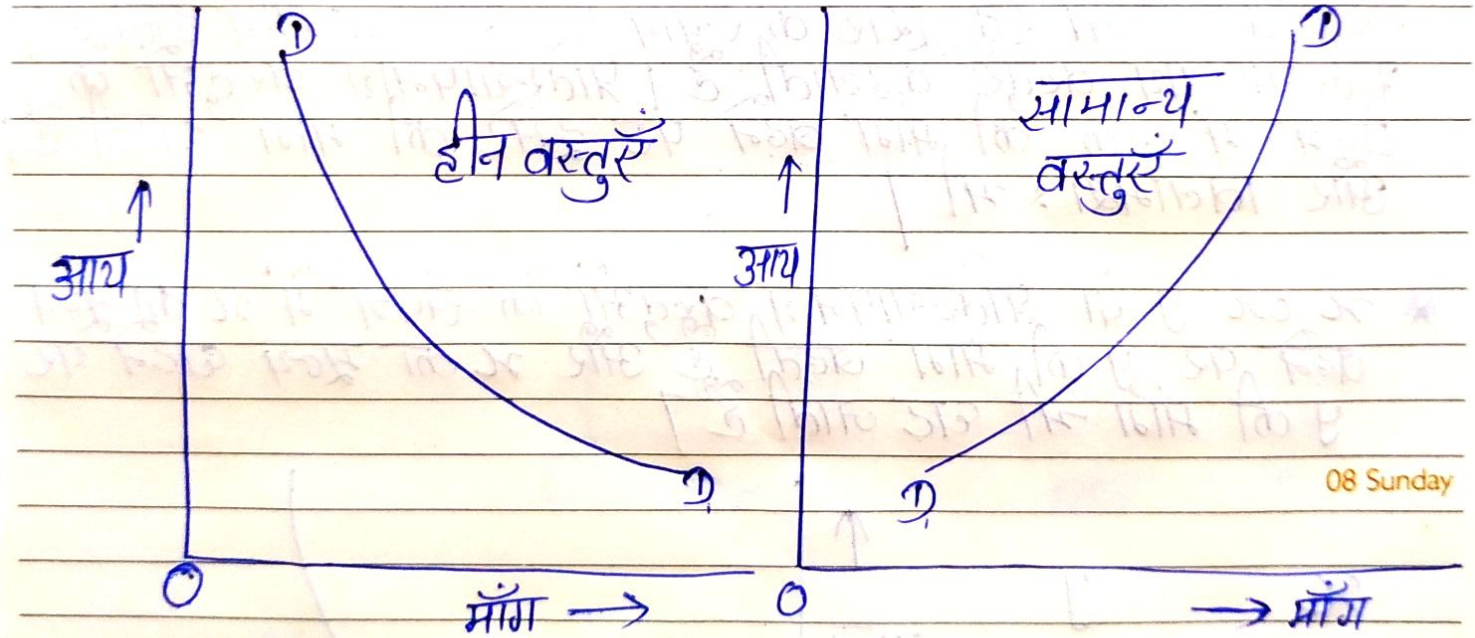

* अन्य संबंधित वस्तुओं के मूल्य-माँग संबंध

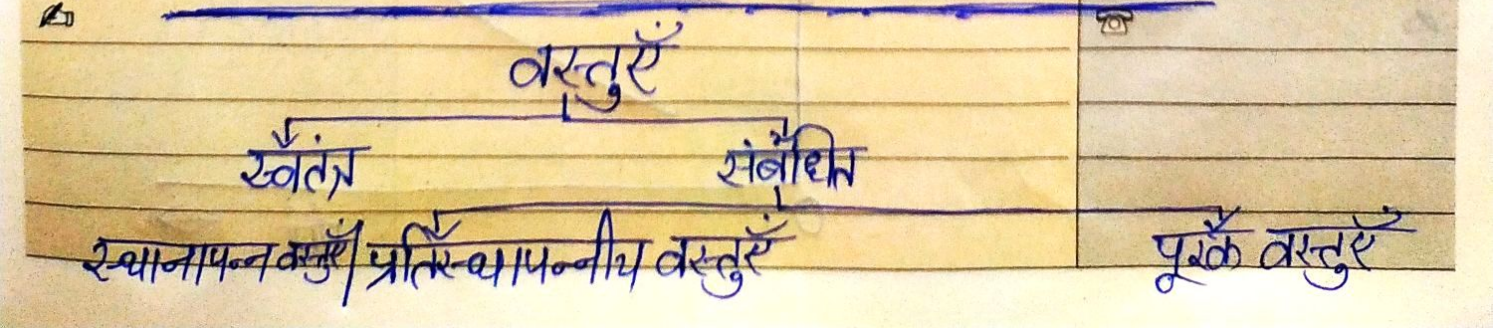

स्वतंत्र वस्तुएँ :- ऐसी वस्तुएँ जिनकी माँग में परस्पर कोई संबंध नहीं होता है। स्वतंत्र वस्तुएँ कहलाती हैं। जबकि वे

संबंधित वस्तुएँ :- ऐसी वस्तुएँ जिनकी माँग परस्पर संबंधित रहती है। संबंधित वस्तुएँ कहलाती हैं।

संबंधित वस्तुएँ दो प्रकार की होती हैं।

प्रतिस्थापनीय वस्तुएँ :-

ऐसी वस्तुएँ जो एक दूसरे के स्थान पर प्रतिस्थापनीय होती है। प्रतिस्थापनीय वस्तुएँ कहलाती है। प्रतिस्थापनीय वस्तुओं के संदर्भ में एक की माँग बढ़ने पर दूसरे की माँग घटती है। और विलोमशः भी।

* x or y दो प्रतिस्थापनीय वस्तुओं के संदर्भ में x का मूल्य बढ़ने पर y की माँग बढ़ती है और x का मूल्य घटने पर y की माँग भी घट जाती है।

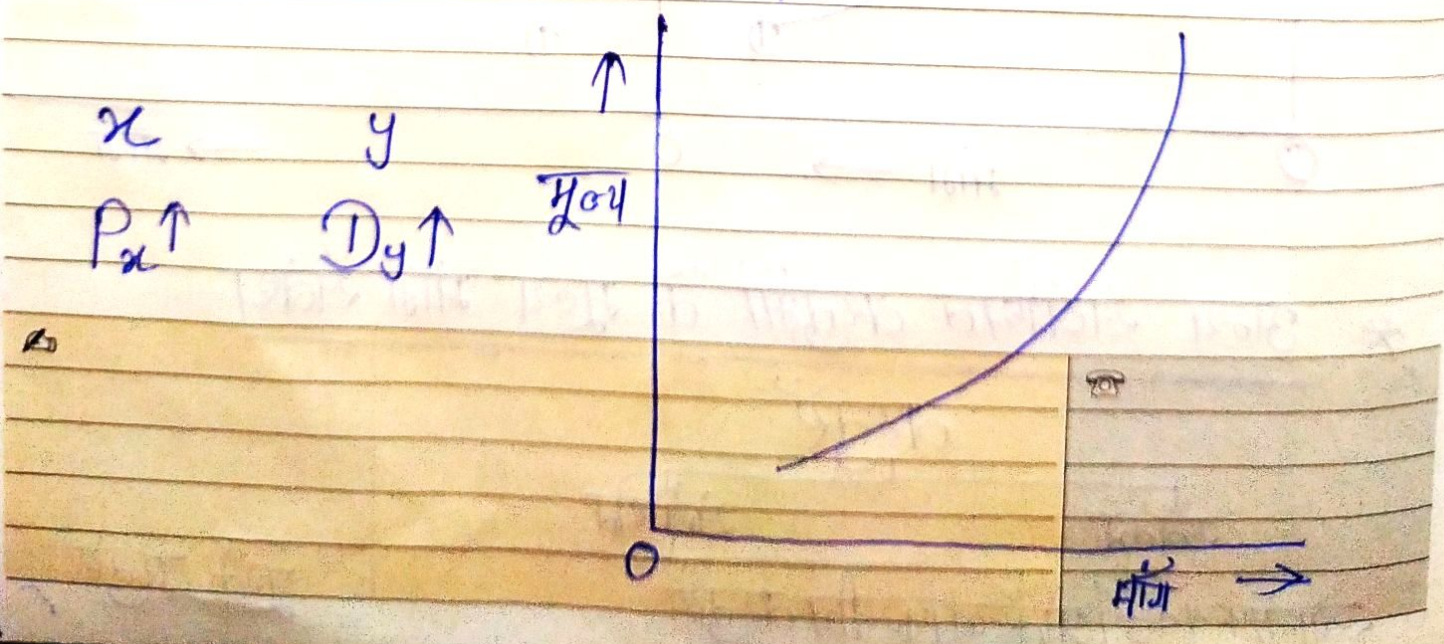

Tuesday 10

पूरक वस्तुएँ : →

ऐसी वस्तुएँ जो साथ - साथ प्रयोग की जाती है। पूरक वस्तुएँ कहलाती है। पूरक वस्तुओं के संदर्भ में एक की माँग बढ़ने पर दूसरे की माँग बढ़ती है।

x और y दो पूरक वस्तुओं के संबंध में x का मूल्य बढ़ने पर y की माँग घटती है। तथा x का मूल्य घटने पर y की माँग बढ़ती है।

x	y
$P_x \uparrow$	① $y \downarrow$